



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

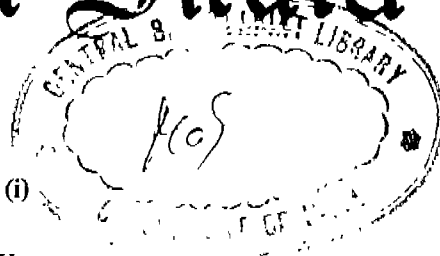
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 259]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 21, 2001/वैशाख 31, 1923

No. 259]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 21, 2001/VAISAKHA 31, 1923

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 मई, 2001

सं. 25/2001-के.उ. शुल्क (एन.टी.)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st May, 2001

No. 25/2001-Central Excise (NT)

सा.का.नि. 380(अ).—केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उस पद्धति के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 के अधीन केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 55 के अधीन आने वाले दोहरे/मल्टी फोल्ड सूत के उत्पादन के लिए आबद्ध रूप में खपत किए गए अध्याय 55 के अधीन वर्गीकरण किए जाने योग्य ऐसे एकल सूत पर उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण के संबंध में (जिसके अन्तर्गत उसका गैर उद्ग्रहण भी सम्मिलित है) सामान्यतः प्रचलन में थी, जिस पर उत्पाद-शुल्क का संदाय कर दिया गया था और ऐसा सूत उन मामलों में उत्पाद-शुल्क के दाहिताधीन था जिनमें उक्त पद्धति के अनुसार शुल्क उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन 1 मार्च, 1986 को आरम्भ होने वाली और 28 फरवरी, 1994 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान शुल्क का उद्ग्रहण नहीं किया जा रहा था;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि अध्याय 55 के अधीन आने वाले दोहरे/मल्टी फोल्ड सूत के उत्पादन के लिए आबद्ध रूप से खपत किए गए अध्याय 55 के अधीन आने वाले ऐसे एकल सूत पर, जो उक्त पद्धति के कारण उत्पाद-शुल्क के अध्याधीन था, उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन संदेय उत्पाद-शुल्क का ऐसे सूत की बाबत संदेय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिस पर उक्त उत्पाद-शुल्क उक्त पद्धति के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था।

[फा. सं. 55/9/90-सी एक्स. I]

[F. No 55/9/90-CX.I]

एस.सी. भाटिया, अवसर सचिव

S.C BHATIA, Under Secy.

